

बस में मिली माल लड़की और उसकी सहेली को चोदा

“एक बार एक माल लड़की बस में मेरे से सेट हो
गयी. असल में मैं अन्तर्वसना सेक्स स्टोरी पढ़ रहा
था और वो भी अन्तर्वसना कहानी की शौकीन थी.
उसके बाद क्या हुआ, कैसे हुआ... खुद पढ़ कर मजा
लें!...”

Story By: (rahulraj8)

Posted: Wednesday, August 15th, 2018

Categories: [जवान लड़की](#)

Online version: [बस में मिली माल लड़की और उसकी सहेली को चोदा](#)

बस में मिली माल लड़की और उसकी सहेली को चोदा

दोस्तो, ये मेरी पहली सेक्स स्टोरी है. बहुत दिनों से मैं अन्तर्वासना पर स्टोरी पढ़ता आ रहा हूँ. अब तो आलम ये हो गया है कि सुबह उठते ही पहले एक स्टोरी पढ़ कर लंड हिलाओ, उसके बाद कोई दूसरा काम देखा जाएगा.

आज आपको मैं भी अपनी एक मस्त सेक्स स्टोरी सुनाना चाहता हूँ.

मैं एक बार बस में जा रहा था. उस समय भी मैं अपने मोबाइल पर अन्तर्वासना की एक हॉट सेक्स स्टोरी पढ़ रहा था.

उसी वक्त एक लड़की मेरे पास आ कर बैठ गई. वो दिखने में बहुत ही सुंदर लग रही थी. उसकी आँखें बड़ी और एकदम काली थीं. उसके होंठ मस्त रसीले और गुलाबी थे. ब्रेस्ट का साइज़ 34 इंच, रंग गोरा.. एकदम दूध सा सफेद, मानो उसमें एक चुटकी सिन्दूर मिला दिया गया हो.

अगर उसकी एक तरफ से तारीफ़ करने बैठ जाऊं तो सेक्स स्टोरी के लिए भी जगह नहीं बचेगी, इसलिए उस रूप की रानी कह कर आगे की दास्तान का मजा लेते हैं.

तो दोस्तो, वो बस के अन्दर आई, उस समय मैं अन्तर्वासना की सेक्स स्टोरी को पढ़ रहा था. वो मेरे बाजू में आकर बैठ गई. तो मैं सेक्स स्टोरी का मजा लेते हुए उसको भी देखता जा रहा था. मोबाइल मेरे हाथ में होने की वजह से उसकी चूची से मेरी कोहनी बार बार लग रही थी. वो कुछ नहीं बोली तो मैं अपनी कोहनी से उसकी चूची को ओर जोर से दबाता हुआ अपनी स्टोरी पढ़ने लगा.

वो भी बस बार बार बार मुझे देखती और कुछ नहीं कहती. इधर पैन्ट में मेरा लंड उसके स्पर्श को पाकर एकदम अकड़ गया.

कुछ पल बाद वो खुद बोली- प्लीज, अपनी कोहनी को हटा लो.

मेरी तो समझो हवा ही निकल गई, मैंने तुरंत कोहनी तो हटाई और उससे सरक कर दूर को बैठ गया. थोड़ी देर बाद उसने अपना पैर मेरे पैर पर रखा तो मैं चौंक गया.

मैंने उसकी तरफ देखा तो वो धीरे से मुस्कराई और बोली- क्या नाराज हो गए ?

मेरी तो लॉटरी लग गई, मैं बोला- मैं किस लिए नाराज होऊंगा !

वो बोली- आपकी कोहनी से मुझे प्रॉब्लम हो रही थी.

मैंने 'सॉरी...' बोला.

अब मैंने उसके एक हाथ की तरफ इशारा करते हुए अपना हाथ बढ़ाया और अपनी जांघ पर रख लिया. उसने मुझे देखते हुए मेरे हाथ पर हाथ रख दिया. उसका हाथ रखना क्या हुआ यार... मेरा तो दिल जोर से धड़क धड़क करने लगा.

मेरा दिमाग बोला कि गुरु मिल गई चूत... सच में मेरा लंड बहुत जोर से उछल गया.

मैंने उसका हाथ सहलाते हुए पूछा- क्या नाम है आपका ?

तो उसने अपना नाम काजल बताया.

मैंने- कहां जाना है ?

तो बोली- अलीगढ़ जाना है.

अब हम दोनों बातें कर रहे थे. मैं अपनी कोहनी से उसकी चूची को सहलाए जा रहा था.

तभी उसने मुझसे बैग निकलने को बोला.

मैंने जब बैग दिया तो उसने उस बैग को अपनी और मेरी टांगों पर रख दिया. अभी मैं कुछ

समझता इससे पहले उसने बैग के नीचे से हाथ डाल कर मेरे लंड को पकड़ लिया और दबाने लगी.

आह.. उसका हाथ लंड पर आया और मुझे भी मजा आने लगा.

वो बोली- तुम भी अन्तर्वासना पर सेक्स स्टोरी पढ़ते हो ?

मैं बोला- हाँ..

तो वो बोली- जब मैं यहां आ कर बैठी तो तुमको पढ़ते देख कर मुझे भी कुछ हुआ.. मैं भी पढ़ती हूँ.

उसकी बात सुनकर मुझे बहुत अच्छा लगा. मैं बोला- तुम्हारी फ़ेवरेट स्टोरी कौन सी है ?

तो बोली- जो तुम पढ़ रहे थे.

मैं- मैं कौन सी स्टोरी पढ़ रहा था बताओ ?

तो वो बोली- बड़ी बहन को पटाया और छोटी चुद गई

मैं उसकी जुबान से खुल्लम खुल्ला चुद गई सुन कर चौंक गया- यार तुम्हारी आँखें है या गिद्ध की आँखें ?

अब हम दोनों एक दूसरे को देख कर हंसने लगे. इसके बाद हम दोनों की बातें शुरू हो गईं. इन बातों में ही चुदाई का प्रोग्राम भी बन गया. लेकिन अभी ये तय नहीं हुआ था कि लंड चूत का खेल कब और किधर होगा.

कुछ ही देर में अलीगढ़ आने वाला था, तो वो बोली- राहुल, हम स्टॉप से पहले उतर जाते हैं.

मैंने पूछा- क्यों ?

बोली- वहाँ पापा मुझे लेने आ सकते हैं.

मैं एक रेस्टोरेंट देख कर उतर गया. हम दोनों ने हल्का नाश्ता किया. फिर मैंने उससे पूछा-
होटल चलें ?

तो पहले उसने मना कर दिया. फिर बोली- तुम्हारे पास कितना टाइम है ?

मैं बोला- तुम्हारे लिए तो टाइम ही टाइम है.

तो वो बोली- चलो मेरी फ्रेंड के घर चलते हैं.

उसने अपनी फ्रेंड को कॉल करके पूछा, तो उसने आने को बोल दिया.

हम दोनों सिल्क की चॉकलेट, फैंटा की बोतल और नमकीन आदि लेकर उसकी फ्रेंड के घर
जा पहुँचे. उसने भी आते ही काजल को गले लगाया और हम दोनों को बिठाया.

वो सब सामान लेकर किचन में गई. मैंने काजल को पकड़ा और हम दोनों किस करने लगे.
इतने में काजल की फ्रेंड माधुरी आ गई और हमें चूमाचाटी करते देख कर बोली- अभी रुक
जाओ यार.. पहले नाश्ता कर लो.

हम दोनों अलग हुए, सभी ने नाश्ता किया.

काजल ने माधुरी को इशारा किया तो वो हँसते हुए काजल की पीठ पर हाथ मारते हुए
बोली- मेरी जान तेरी सुहागसेज तैयार है.. ले जा अपने ठोकू को.

माधुरी के हाथ मारते हुए मुझे कमरे में ले गई. कमरा भी मस्त था.. बेड पर कुछ फूल पड़े
थे.

ये देख कर मैं और काजल मुस्कुरा उठे. अब मैंने काजल को गोदी में उठा कर बेड पर लिटा
दिया और खुद भी उसके ऊपर चढ़ गया. कभी मैं उसको किस करता, कभी मम्मे दबाता..
तो कभी चूत सहलाता.

हम दोनों चुदास से मस्त हुए जा रहे थे. मैंने काजल का कमीज उतारा, सलवार निकाल दी.

वो ब्रा पेंटी में मस्त लग रही थी. उसने भी मेरे कपड़े निकाल दिए. मेरा अंडरवियर भी निकाला और मेरे लंड को पकड़ कर सहलाने लगी.

इस वक्त मैं जोर जोर से उसकी चूची दबा रहा था. मैंने उसकी ब्रा खोल दी, वो मजे से चूचे मसलवा रही थी. मैंने उसकी पेंटी निकाली, तो उसकी चूत देख कर मैं एकदम मस्त हो गया. मैं झट से उसकी चूत को सहलाने लगा. उसकी चूत में मैंने उंगली डाली तो वो 'आह आह आह..' करने लगी.

आप सबको क्या बताऊँ यार.. काजल की चूत एकदम गोरी, चिकनी चमेली की तरह थी. मैं उसकी चूत में उंगली कर रहा था. तभी काजल घूम गई और मेरे लौड़े को उसने अपने मुँह में ले लिया. काजल मेरा लंड चूसने लगी. उसकी इस अदा का मैं कायल हो गया और मैं उसकी चूत को चूसने चाटने लगा.

वो 'आह स्सा स्सा..' करने लगी और जोर से लंड को पूरा अन्दर भरने की कोशिश करने लगी. वो जब भी लंड को अन्दर करती, मैं एक धक्का मार देता. वो मदमस्त हो रही थी.

अब मैं बोला- जान क्या मुँह में ही निकलवा लोगी ?

तो काजल ने तुरंत मुँह से लंड निकाल दिया और बोली- राहुल, ये मेरा पहला सेक्स है.. सब कुछ चूत के अन्दर ही लूँगी.

मैंने पूछा- सच बोल रही हो ?

वो ये सुनकर तुरंत ही मेरे होंठों पर टूट पड़ी और बोली- मेरी जान.. माधुरी और मैं ही अब तक एक दूसरे की आग को अब तक ठंडा करते रहे हैं. मेरी चूत के लिए ये पहला लंड है.

माधुरी बोली थी न सुहागसेज.. तुमको याद है ?

मैं बोला- हां याद है जान !

यह कह कर मैंने उसको ज़ोरदार किस की और उसके मम्मे दबाने लगा. मैंने उससे इजाजत माँगी तो काजल ने तुरंत टांगों को खोल दिया. मैंने भी लंड को निशाना लगा कर एक धक्का मार दिया. काजल की चीख निकल गई और वो रोने लगी.

काजल बिलख रही थी- निकालो.. प्लीज.. बहुत मोटा है.. मैं मर जाऊंगी.

मैंने देखा तो अभी लंड बस 2 इंच ही गया था. तो मैं उसको किस करने लगा और बोला- मेरी जान तुम तो बहुत जानदार हो.. एक बार में ही 5 इंच लंड ले लिया.

यह कह कर मैं उसको सहलाने लगा. काजल जब नार्मल हुई तो मैंने पूछा- क्या बाकी बचा भी अन्दर डाल दूँ ?

तो उसने हां में सर हिला दिया. मैंने उसके दोनों हाथों को पकड़ा और ऊपर को होकर जोर लगा के धक्का मार दिया. मेरा बचा हुआ पूरा 5 इंच का लंड उसकी सील को तोड़ता हुआ अन्दर घुस गया. काजल की ना चाहते हुए भी बहुत तेज़ चीख निकल गई. सच पूछो तो दर्द तो मुझे भी हुआ, पर खुशी भी थी. मैं काजल के ऊपर चढ़ कर उसे किस करने लगा.

तभी माधुरी बाहर से बोली- यार आराम से करो.. मेरी जान को मार डालोगे क्या ?

मैंने काजल को किस करना छोड़ माधुरी को कहा- यार आराम से ही चल रहा है. पर क्या करूँ, आपने कुछ सिखाया ही नहीं.

मैंने काजल को सॉरी बोला, किस किया तो काजल जोर से बोली- माधुरी डार्लिंग, मैं ठीक हूँ.

अब मैं काजल को धकापेल चोदने लगा.. धक्के पर धक्के लगाए जा रहा था.

काजल दर्द की वजह से बहुत कराह भी रही थी और बोल भी रही थी- आह.. आज फाड़ ही दे राहुल.. साली बहुत परेशान करती है.. आह आह आह..

मैं भी उसे बिना रुके ताबड़तोड़ चोदे जा रहा था. वो हर धक्के का कुछ इस तरह स्वागत कर रही थी, जैसे कोई बहुत दूर से आया दोस्त हो.

मजा तो दोनों को चाहिये था, तभी काजल की चूत ने पानी छोड़ दिया और उसने मेरी कमर में नाखून गड़ा दिए. वो मुझसे लता सी लिपट गई.

मैं भी उसकी खुशी में शामिल हो कर उसको चूमने लगा और धक्के तो लगा ही रहा था. कुछ देर बाद मेरा भी निकलने को हुआ तो और जोर से धक्के मारने लगा. मैंने भी अपना पानी उसकी चुत में छोड़ दिया.

काजल ने मुझे बांहों में भर लिया और कहा- आई लव यू.

मैं बोला- आई लव यू टू.

यह बोल कर मैं उसके ऊपर ही ढेर हो गया. उसको किस किया और हम दोनों चिपट कर लेट गए. हम दोनों ने कुछ देर बातें की और दोनों बाथरूम में नहा कर कमरे से बाहर निकल आए.

काजल को पहली चुदाई के कारण चलने में प्रॉब्लम हो रही थी, तो माधुरी ने हँसते हुए ताली बजाई. फिर उसको गले लगाया, किस भी किया. माधुरी ने दर्द की गोली दी.

आधा घंटे बाद जब थोड़ा दर्द कम हुआ तो काजल ने पूछा- क्या तुम आज रुक सकते हो ? मैंने मना कर दिया और कहा- यार आज ही जाना होगा. हां दो दिन के बाद आ जाऊंगा. काजल बोली- ठीक है.

फिर हमने एक दूसरे के नम्बर लिए. मैं दो दिन बाद आने की बोल कर चलने को हुआ तो काजल ने मुझे गले लगाया और किस किया.

तभी माधुरी आई तो मैंने हाथ मिलाने के लिए आगे बढ़ा दिया. वो मेरे हाथ को हटा कर मेरे गले से लगी. उसकी 32 नाप की चूचियां मेरे सीने में गड़ी ही थीं कि काजल ने बोला- कोई और भी देख रहा है.

मैंने माधुरी को अलग किया.

माधुरी हंसते हुए बोली- मेरी जान, मैं तो बस यूँ ही देख रही थी.

काजल से दो दिन बाद मिलने का बोल कर मैं अपने मामा के घर आ गया. काजल के फोन भी आते रहे और बातें भी होती रहीं. पर दो दिन बहुत भारी कटे.

मामा के यहाँ से निकला तो मैं माधुरी के घर पहुँच गया. मैंने काजल को कॉल किया. माधुरी ने अब तक मुझे अन्दर बुला लिया था. मैं उससे कुछ बोलता, उससे पहले कॉल पर काजल बोली कि यार तुम 12 बजे के बाद आना, अभी मैं पापा के साथ कहीं जा रही हूँ, बाद में बताती हूँ. उसने फोन काट दिया.

मैं तुरंत उठा तो माधुरी ने पूछा- क्या हुआ ?

तो मैं बोला- यार काजल 12 के बाद आने को बोल रही है और अभी तो सिर्फ 9 ही बजे हैं. मैं चलता हूँ.. आपको प्रॉब्लम होगी.

तो माधुरी बोली- क्या बात करते हो यार.. मुझे क्या प्रॉब्लम होगी.. और आप जाओगे कहां ?

मैं बोला कि किसी रेस्टोरेंट या और कहीं उसका इन्तजार करूँगा.

माधुरी बोली- क्या यहां नहीं रुक सकते.. मुझे कोई प्रॉब्लम नहीं होगी.

मैं बोला- ठीक है.

माधुरी ने हंसते हुए कहा- वैसे आप कितने बजे उठे थे, जो इतनी सुबह आ गए ?

मैं भी हंसते हुए बोला- यार याद बहुत आ रही थी.. तो नींद ही नहीं आई.

वो गांड मटकाते हुए चाय बनाने चली गई. अगले ही पल उसने किचन में मुझे भी बुला लिया. हम दोनों काजल के और उसके बारे में बात करने लगे.

फिर कुछ देर बाद चाय लेकर हम दोनों बाहर आ गए.

चाय पी कर वो बोली- राहुल तुम बैठो.. मैं जरा नहा लूँ.

मैं बोला- यार रहने दो, बिना नहाए भी तुम मस्त लग रही हो. नहा कर क्या मेरा कत्ल करोगी ? वैसे ही नियत खराब हो रही है तुमको कच्चा खाने का मन हो रहा है.

माधुरी ने कहा- नियत को खराब मत करो.. इधर जो भी खाना है.. खा लेना.

वो हंसते हुए बाथरूम में चली गई.

बाथरूम में पानी गिरने की आवाज़ और उसका गाना गुनगुनाना 'मेरे रश्के कमर... तेरी पहली नजर..' मुझे पागल किये जा रहा था.

तभी दरवाजा खुला और माधुरी केवल एक तौलिया में बाहर निकली, उसे देखते ही मेरे को पसीना आ गया.. लंड खड़ा हो गया.. वो बहुत ही हॉट लग रही थी. उसके कंधे तक काले बाल और उनमें से पानी की टपकती बूंदें, गुलाबी होंठ, उन पर चमकता हुआ पानी.. सच में बहुत सेक्सी नजारा था. वो भी देख रही थी, मैं तो खो चुका था.

वो मेरे पास आई और बोली- हटो...

तब मुझे होश आया. मैं बोला- यार क्यामत लग रही हो.

वो बस हँसी और कमरे में पहुँच कर बाल बनाने लगी.

मैंने बाहर से पूछा- क्या मैं आपके कमरे में आ सकता हूँ ?

तो वो बोली- आपको रोकने वाला कोई है क्या ? आप जहाँ आना चाहते हो चले आओ..

आपको कोई नहीं रोकेगा.

दोस्तो, मेरी हिम्मत तो बहुत बढ़ रही थी, पर एक डर भी था. दोनों पुरानी दोस्त, मैं एक को चोदने आया, दूसरी को चोदने के चक्कर में पहली न निकल जाए. खैर.. मैं चुदास के

चलते कमरे में चला गया. कुछ तो माधुरी के मन में भी चल रहा था. मैं बेड पर बैठ उसको तैयार होते देख रहा था. मेरा लंड तो खड़ा था. मैंने बस अपने लंड को दो तीन बार दबाया, जो माधुरी ने भी शायद देखा.

वो बोली- राहुल, तुमको मैं मान गई.

मैं बोला- कैसे ?

माधुरी- यार और कोई होता तो अकेली लड़की देख उस पर टूट पड़ता, पर तुम बहुत सही लड़के हो.

मैं बोला- यार एक बात कहूँ, बुरा तो नहीं मानोगी ?

माधुरी बोली- बोलो न..

मैंने कहा- जो मजा प्यार से है.. वो जबरदस्ती में नहीं है.

वो मेरे पास आई और मुझे किस करने को हुई, तो मैंने उसको एक मिनट रुकने को बोला.

मैं- यार काजल को कोई प्रॉब्लम तो नहीं होगी ?

वो बोली- अगर उसको पता चलेगा तो होगी. अभी तुम कुछ न कहो बस प्यार करो.. ये मौका खुद भगवान ने दिया है. मैं तुमको मांग रही थी और तुम मिल गए.

उसने मुझे चिपट कर मेरे होंठ पर होंठ रख दिए और मैं उसको चूमने लगा.

माधुरी तो केवल तौलिये में ही थी और वो कब खुल गया, पता ही चला नहीं.. साथ ही मेरी टी-शर्ट और पैन्ट भी निकल गई. अब मैं माधुरी के 32 इंच के दूधों को मसलने लगा, वो भी मेरे लंड को दबाने लगी. उसने मेरा अंडरवियर भी निकाल दिया और लंड को हाथ में लेकर मरोड़ने लगी. मुझे दर्द हुआ तो मैंने उसके एक मम्मे जोर से मसल दिया.. वो चिल्ला उठी और उसने मेरा लंड छोड़ दिया.

मैंने उसकी ब्रा निकाल दी, साथ ही उसने टांगें उठाई तो मैंने उसकी पेंटी भी निकाल दी.

अब हम दोनों एकदम नंगे 69 की पोजीशन में आ गए थे. मैं उसकी चूत को चाटने लगा और वो मेरे लंड को चूस रही थी. मेरा ओर उसका चुदास की तीव्रता के चलते बुरा हाल हो चला था.

कुछ ही देर की लंड चुसाई में जब मेरा पानी निकलने को हुआ तो मैं उससे बोला- मेरी रानी, मलाई निकलने वाली है..

तो वो बोली- आ जा रज्जा.. काजल ने अपनी चुत में पहली बार तुम्हारा पानी लिया था, मैं अपने मुँह में लूँगी. निकलने दो मलाई, इससे तो मेरी जवानी खिल उठेगी.

मैंने तेज झटके के साथ अपने वीर्य से उसका मुँह भर दिया, साली जंगली बिल्ली मेरा पूरा पानी पी गई. अब हम दोनों सीधे हो गए. मैं उसके एक दूध को चूसने लगा वो मेरे सिर पर हाथ घुमाते हुए दूध पिला रही थी और अपने हाथ से मेरे लंड को सहला रही थी.

थोड़ी देर बाद मेरे लंड ने हरकत की और अपनी औकात पर आने को हुआ तो माधुरी ने मुझे पलंग पर बिठा कर खुद नीचे उतर गई. मैं कुछ समझता कि वो दुबारा मेरे लंड को चूसने लगी.

उसके लंड चूसने से मुझे मजा बहुत आने लगा और मैं उसकी चुत में उंगली करने लगा. अब मेरा लंड उसकी चुत चोदने को तैयार हो गया था.

मैंने माधुरी को उठाया और बेड पर लिटा दिया और उसकी दोनों टांगों को खोल कर अपने लंड को उसकी चुत के मुहाने पर रख कर उसके दोनों हाथों को पकड़ के उसके होंठों को अपने होंठों से दबाते हुए पूरी ताकत के साथ धक्का मार दिया.

मेरा लंड सरसराता हुआ माधुरी की चूत में घुस गया और माधुरी के मुँह से इतनी तेज चीख निकली कि शायद पूरी कॉलोनी सुन लेती, अगर मैं उसका मुँह बंद न करता. मैं बड़े

आराम से उसके होंठों को चूमता रहा, वो नीचे दर्द की अधिकता से मचलती और तड़फती रही. उसकी आँखों में आंसू आ गए थे.

कुछ ही पलों के बाद उसके होंठों पर दर्द के साथ मुस्कराहट भी झलक उठी थी.

मैंने पूछा- अब ठीक हो ?

तो बोली- हाँ !

बस मैं धीरे धीरे धक्के मारने लगा. थोड़ी देर बाद ही माधुरी 'उई माँ, मर गई माँ, बचा ले माँ..' बोलने लगी और मस्ती से चुदने लगी.

एक बार तो पानी मेरा निकल चुका था तो अब देर होगी ही. मैं अब जोर जोर से धक्के मार रहा था और माधुरी भी मजा ले कर चुद रही थी.

दस मिनट की चुदाई के बाद अब मैं उसको जोर जोर से चोदने लगा. अब तक वो तीन बार झड़ चुकी थी और जिससे उसको जलन भी हो रही थी. वो बोली- राहुल जल्दी निकल यार.. बहुत जलन हो रही है.

मैंने भी तेज़ी से धक्के मारता हुए पूछा- पानी कहां निकालूँ ?

तो बोली- यार, पहला पानी है, अन्दर ही डाल दो.

उसका कहना था कि एक तेज पिचकारी के साथ मेरा पानी निकल उठा और मैं माधुरी के ऊपर गिर गया. उसको किस करने लगा, माधुरी ने भी मुझे बांहों में भर लिया.

माधुरी अब उठी तो बाथरूम तक चलने में उसे दिक्कत हो रही थी, मैं उसे पकड़ कर बाथरूम में ले गया और उसे नहलाया, कपड़े पहनाए.

इतने में माधुरी का फ़ोन बजा, काजल का ही फोन था. माधुरी ने बात सुनी, स्पीकर ऑन कर दिया.

काजल उससे बोली- माधुरी राहुल आ रहा है, मैं उसको बोलती हूँ, अगर मुझसे पहले आ जाए, तो नाश्ता करवा देना. मैं अभी ही घर पहुँची हूँ.. बस एक घंटे में आ जाऊंगी.

इतना कह कर काजल ने फोन काट दिया. मैं मुस्कुरा रहा था.

फिर काजल ने तुरंत ही मुझे फोन किया कि तुमको माधुरी के घर पहुँचने में कितना टाइम लगेगा ?

मैंने कहा- बस समझ लो, लगभग एक घंटा लग जाएगा.

उसने ओके कहा तो मैंने फोन काट दिया और फिर से माधुरी से चिपक गया. इसके बाद हम दोनों लिपटे हुए पड़े रहे. काजल का इन्तजार था मुझे उसको चोदना पड़ता इसलिए मैंने माधुरी को दुबारा नहीं चोदा.

आप सभी को मेरी यह चुदाई की कहानी कैसी लगी.. प्लीज़ मुझे ईमेल करके जरूर लिखिएगा.

rahulraj843200@gmail.com

